an>

Title: Need to set up a new unit of Hindustan Fertilizers Corporation Limited in Gorakhpur, Uttar Pradesh.

योगी आदित्यनाथ **(गोरखपुर):** भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड की जो 5 इकाईयां बंद हैं उनमें से गोरखपुर में भी एक उर्वरक संयंत्र स्थित हैं। भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड ने सन् 1969 में गोरखपुर में उर्वरक संयंत्र की स्थापना की थी। एक साधारण दुर्घटना के चलते 10 जून, 1990 को इसे बंद कर दिया गया और तब से यह इकाई लगातार बंद चल रही हैं। इस उर्वरक संयंत्र के बंद होने से पूर्वी उ0प्र0 तथा बिहार के विकास पर बुरा असर पड़ा हैं। कृषि प्रभावित होने से किसानों की स्थिति बदतर हुई हैं। देश के कई प्रधानमंत्रियों द्वारा गोरखपुर समेत पूर्वी उ0प्र0 की जनता को बंद पड़े इस उर्वरक संयंत्र को चलाने का आश्वासन अपने-अपने कार्यकाल के दौरान दिया गया था लेकिन यह आश्वासन मात्र घोषणाओं तक ही सीमित रह गया। देश के बंद पड़े इन उर्वरक संयंत्रों के पुनरूद्धार के लिए भारत सरकार ने उर्वरक एवं रसायन मंत्रालय, पेट्रोलियम मंत्रालय, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय तथा वित्त मंत्रालय के सचिवों की एक उच्चस्तरीय कमेटी बनाई थी। यह कमेटी पहले ही गोरखपुर समेत सभी बंद पड़े उर्वरक संयंत्रों के पुनरूद्धार की सिफारिश कर चुकी हैं। बन्द पड़े उर्वरक संयंत्रों के पुनरूद्धार की यह योजना बोर्ड फॉर इन्डस्ट्रियल एण्ड फाइनेन्सियल रिकन्सट्रक्शन (बी.आई.एफ.आर.) के पास भेजा गया था। मेरे संज्ञान में आया हैं कि बी.आई.एफ.आर. ने भी इस संबंध में अपनी सहमति प्रदान कर दी हैं।

गोरखपुर स्थित बन्द पड़ा उर्वरक संयंत्र के पास महानगर से सटी 1400 एकड़ भूमि हैं। जो रेलवे लाईन और सड़क मार्ग के साथ-साथ अन्य बुनियादी सुविधाओं से पूरी तरह जुड़ा हुआ हैं। भारत सरकार यदि गैस पाईप लाईन की सुविधा जगदीशपुर तथा बरौनी से यहाँ उपलब्ध करा देती हैं तो उर्वरक संयंत्र यहाँ पर आसानी से संचालित हो सकता हैं। गैस एथोरिटी ऑफ इण्डिया (गेल) ने इस संबंध में सर्वे भी किया हैं।

कृपया गोरखपुर में बन्द पड़े उर्वरक संयंत्र के स्थान पर भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड की ओर से ही एक नया उर्वरक संयंत्र स्थापित हो, इस संबंध में कार्यवाही करने का कष्ट करें।